ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-८९ **टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-मंगलवार,११ दिसम्बर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २५.४ एवं ८.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७६ सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १२.३ एवं दोपहर में २२.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा सुबह में हल्का कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१२ से १६ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२ से १६ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २४ से २५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ८ से १० डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में हल्के से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से १२ से १४ दिसम्बर के बीच पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- खड़ी फसलों में नियमित रुप से झुलसा रोग की निगरानी करें। रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु २.५ ग्राम डाई-इथेन एम० ४५ फफूँदनाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें।
- अगात मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- गेहुँ की फसल जो २१-२५ दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के १-२ दिनों बाद प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई० सी० २ लीटर प्रति एकड़ २०-२५ किलोग्रम बालू में मिलाकर खेत में सिंचाई से पहले छिड़क दें।
- गेहूँ की फसल में खर-पतवार नियंत्रण की सबसे उपयुक्त अवस्था बोआई के ३० से ३५ दिनों बाद होती है। गेहूँ में उगने वाले सभी प्रकार के खरपतवार के नियंत्रन हेतु पहली सिंचाई के बाद सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। ध्यान रहें छिड़काव के वक्त खेत में प्रयाप्त नमी हों।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २६६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवश्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिश्चित हो सके।
- प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध ५०-५५ दिनों का हो गया हो वें छोटी-छोटी क्यारीयाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई कर सकते है। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-५ मीटर रखे। प्याज की नर्सरी से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- गत माह के लगाये गये आलू की फसल में पौधों की उँचाई १२-१५ से०मी० हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- सब्जियों की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। मक्का एवं लहसुन फसलों में कीट-व्याधी की निगरानी करें।

आज का अधिकतम तापमानः २५.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.७ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ९.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी